

॥ ॐ नमो भगवते रामकृष्णाय ॥

भट्टोजिदीक्षितविरचिताया वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्याः

# अजन्तपुंलिङ्गप्रकरणम्

सम्पादकौ

श्रीमन्तभद्रः

नव्यवैयाकरणाचार्यः (लब्धस्वर्णपदकः), एम्. फिल्.

सहायकाध्यापको विभागाध्यक्ष, छात्रकोत्तरसंस्कृतविभागः

राजानरेन्द्रलालखानमहिलामहाविद्यालयः (स्वयंशासितः)

मेदिनीपुरम्, पश्चिमवङ्गः

सौमित्र-आचार्यः

नव्यवैयाकरणाचार्यः, एम्. फिल्.

अनुसन्धाता, संस्कृतदर्शनविभागः

रामकृष्णमिश्रनिवेकानन्दशैक्षणिकशोधसंस्थानम्

बेलुडमठः, पश्चिमवङ्गः

बि. एन्. पाव्लिकेशन्

३, श्यामाचरण दे स्ट्रीट्, कोलकाता - ७०००७३

## ॥सूत्रानुक्रमणिका॥

|                             |    |                             |    |
|-----------------------------|----|-----------------------------|----|
| अर्थवदधातुरप्रत्ययः०        | 1  | राडिशिडसाभिनात्त्याः        | 25 |
| कृत्तद्धितसमासाश्च          | 4  | सुभि च                      | 26 |
| प्रत्ययः                    | 5  | अतो भिस ऐस्                 | 26 |
| परश्च                       | 6  | डेर्यः                      | 27 |
| इयाप्रातिपदिकात्            | 6  | बहुवचने इत्थेत्             | 29 |
| स्वौजसमौर्छशाभ्याम्भिस्ङे०  | 8  | चाडवसाने                    | 30 |
| विभक्तिश्च                  | 9  | ओशि च                       | 33 |
| सुपः                        | 10 | ह्रस्वनद्यापो नुद्          | 34 |
| द्व्येकयोर्द्विवचनैकवचने    | 11 | नाभि                        | 34 |
| बहुषु बहुवचनम्              | 12 | अपदान्तस्य मूर्धन्यः        | 37 |
| सरूपाणामेकशेष एकविभक्तौ     | 12 | इणकोः                       | 37 |
| चुटू                        | 14 | आदेशप्रत्यययोः              | 38 |
| न विभक्तौ तुस्माः           | 14 | सर्वादीनि सर्वनामानि        | 40 |
| अतो गुणे                    | 15 | जसः शी                      | 41 |
| एकवचनं सम्बुद्धिः           | 16 | सर्वनाम्नः स्मै             | 44 |
| एङ्हस्वात्सम्बुद्धेः        | 16 | डसिङ्योः स्मात्स्मिनौ       | 45 |
| अमि पूर्वः                  | 19 | आमि सर्वनाम्नः सुट्         | 46 |
| लशक्वतद्धिते                | 20 | पूर्वपरावरदक्षिणोत्तरापरा०  | 54 |
| तस्माच्छसो नः पुंसि         | 21 | स्वमज्ञातिधनाख्यायाम्       | 55 |
| अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि   | 21 | अन्तरं बहिर्योगोपसंब्धानयोः | 56 |
| पदान्तस्य                   | 23 | पूर्वादिभ्यो नवभ्यो वा      | 57 |
| यस्मात् प्रत्ययविधिस्तदादि० | 23 | न बहुव्रीहौ                 | 58 |
| अङ्गात्                     | 25 | तृतीयासमासे                 | 61 |

|                            |     |                            |     |
|----------------------------|-----|----------------------------|-----|
| द्वन्द्वे च                | 61  | अलोऽन्त्यात्पूर्व उपधा     | 100 |
| विभाषा जसि                 | 62  | सर्वनामस्थाने चासम्बुद्धौ  | 101 |
| प्रथमचरमतयाल्पार्धं        | 63  | अपृक्त एकाल्प्रत्ययः       | 101 |
| जराया जरसन्यतरस्याम्       | 66  | हल्ङ्याभ्यो दीर्घात्०      | 102 |
| पद्मनोमास्हन्निशसन्यूषन्०  | 71  | सख्युरसम्बुद्धौ            | 105 |
| सुडनपुंसकस्य               | 73  | अचो जिगिति                 | 105 |
| स्वादिष्वसर्वनामस्थाने     | 73  | ख्यत्यात्परस्य             | 107 |
| यचि भम्                    | 74  | औत्                        | 108 |
| आ कडारादेका संज्ञा         | 74  | पतिः समास एव               | 114 |
| भस्य                       | 77  | बहुगणवतुडति संख्या         | 118 |
| अल्लोपोऽनः                 | 77  | डति च                      | 119 |
| रषाभ्यां नो णः समानपदे     | 78  | प्रत्ययस्य लुक्श्रुलुपः    | 119 |
| न लोपः प्रातिपदिकान्तस्य   | 79  | षड्भ्यो लुक्               | 120 |
| विभाषा डिश्योः             | 81  | प्रत्ययलोपे प्रत्ययलक्षणम् | 120 |
| संख्याविसायपूर्वस्याहस्या० | 84  | न लुमताङ्गस्य              | 120 |
| दीर्घाज्जसि च              | 86  | त्रेस्त्रयः                | 123 |
| आतो धातोः                  | 87  | त्यदादीनामः                | 125 |
| जसि च                      | 93  | यू स्त्र्याख्यौ नदी        | 135 |
| ह्रस्वस्य गुणः             | 94  | अम्बार्थनद्योर्ह्रस्वः     | 136 |
| शेषो घ्यसखि                | 94  | आण्णद्याः                  | 137 |
| आडो नाऽस्त्रियाम्          | 96  | आटश्च                      | 137 |
| घेर्डिति                   | 96  | डेराण्णद्याम्नीभ्यः        | 138 |
| डसिडसोश्च                  | 98  | अचि श्रुधातुभ्रुवां०       | 142 |
| अच्च घेः                   | 99  | एरनेकाचोऽसंयोगपूर्वस्य     | 143 |
| अनङ् सौ                    | 100 | न भूसुधियोः                | 154 |

|                              |     |
|------------------------------|-----|
| तृज्वत्क्रोष्टुः             | 166 |
| ऋतो डिसर्वनामस्थानयोः        | 166 |
| ऋदुशानस्पुरुदंसोऽनेहसां च    | 167 |
| अमृन्तृचस्वसृनमृनेष्ट्वष्टु० | 167 |
| विभाषा तृतीयादिष्वचि         | 169 |
| ऋत उत्                       | 170 |
| रात्सस्य                     | 171 |

|             |     |
|-------------|-----|
| ओः सुपि     | 177 |
| वर्षाभ्वश्च | 181 |
| नृ च        | 190 |
| गोतो णित्   | 198 |
| औतोऽम्शासोः | 198 |
| रायो हलि    | 202 |